

कौशल शिक्षा

एनईपी 2020 ने सभी शैक्षणिक संस्थानों में व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा की शिक्षा में एकीकृत करने की सिफारिश की है। समग्र शिक्षा योजना के व्यावसायिक शिक्षा घटक के तहत, पात्र स्कूलों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों को राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) अनुरूप व्यावसायिक पाठ्यक्रम पेश किए जाते हैं।

माध्यमिक स्तर पर, यानी कक्षा 9 और 10 में, छात्रों को एक अतिरिक्त विषय के रूप में व्यावसायिक मॉड्यूल की पेशकश की जाती है। वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर, यानी कक्षा 11 और 12 में, व्यावसायिक पाठ्यक्रम एक अनिवार्य (वैकल्पिक) विषय के रूप में पेश किए जाते हैं। राज्य/केंद्र शासित प्रदेश अब राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के कौशल अंतर विश्लेषण के अनुसार 22 क्षेत्रों में 88 नौकरी भूमिकाओं का विकल्प चुन सकते हैं।

स्कूलों और डीआईटी में अत्याधुनिक व्यावसायिक और कौशल प्रयोगशालाएं विकसित करने में भी सहायता दी जाती है। संचार कौशल, स्व-प्रबंधन कौशल, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी कौशल, उद्यमिता कौशल और हरित कौशल से युक्त रोजगार कौशल को व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का अनिवार्य हिस्सा बना दिया गया है।

समग्र शिक्षा योजना के व्यावसायिक शिक्षा घटक का उद्देश्य छात्रों की रोजगार क्षमता और उद्यमशीलता क्षमताओं को बढ़ाना है; कार्य वातावरण का अनुभव प्रदान करना; और विभिन्न कैरियर विकल्पों के बारे में छात्रों में जागरूकता पैदा करना ताकि वे अपनी योग्यता, योग्यता और आकांक्षाओं के अनुसार चयन करने में सक्षम हो सकें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसरण में विकसित स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा ने व्यावसायिक शिक्षा के दृष्टिकोण के उद्देश्यों को निर्धारित किया है। उद्देश्यों में से एक यह है कि सभी छात्रों के लिए व्यावसायिक क्षमताएं, ज्ञान और प्रासंगिक मूल्य विकसित किए जाएंगे, और इससे स्कूल के बाद यदि वे चाहें तो कार्यबल में शामिल होने की संभावना पैदा होगी।

कौशल शिक्षा के तहत कक्षा 9वीं और 10वीं में डाटा एंट्री ऑपरेटर का कोर्स चल रहा है।

इस पाठ्यक्रम के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं

- छात्रों को आईटी और आईटी सक्षम सेवाओं की दुनिया से परिचित कराना।
- डेटा प्रविष्टि, इंटरनेट और इंटरनेट उपकरणों के उपयोग में गहन प्रशिक्षण प्रदान करना।
- डिजिटल दस्तावेजीकरण, स्प्रेडशीट और प्रस्तुति का व्यावहारिक ज्ञान विकसित करना।
- छात्रों को डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली को समझने और डिजिटल रिकॉर्ड रखने के बारे में अद्यतन ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम बनाना।

निम्नलिखित कौशल विकसित करने के लिए:

1. डेटा एंट्री और कीबोर्डिंग कौशल
2. डिजिटल दस्तावेजीकरण की अवधारणा 3. डिजिटल प्रस्तुति की अवधारणा

4.0 इलेक्ट्रॉनिक स्प्रेडशीट की अवधारणा o डेटाबेस की अवधारणा

5.0 इंटरनेट टेक्नोलॉजीज

कौशल शिक्षा के तहत कक्षा 11वीं और 12वीं में डाटा एंट्री ऑपरेटर का कोर्स चल रहा है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

इस पाठ्यक्रम के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं।

1. विद्यार्थी को अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त करने में सक्षम बनाना।
2. मानसिक स्वच्छता का अभ्यास करना।
3. भावनात्मक स्थिरता रखना.
4. नैतिक मूल्यों का समावेश करना।
5. चेतना के उच्च स्तर को प्राप्त करना।

कैरियर के अवसर:

- योग शिक्षक
- योग चिकित्सक
- योग में संसाधन अधिकारी
- योग प्रशिक्षक
- प्राकृतिक चिकित्सक